-55 18

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय

अध्यादेश संख्या:४

भारत रत्न डॉ. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान केन्द्र

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय
डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) जिला इंदौर (म.प्र.) पिनकोड 453441

5/7/2016

डॉ. आर. एस. कुरील
कुलपति
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय
डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)
इन्दौर (म.प्र.)

प्रस्तावनाः

देश के प्रथम सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना डॉ. अम्बेडकर की जन्म स्थली महू (इंदौर) में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम 2015 द्वारा की गई है। विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा अन्य पिछड़ें वर्गों के सामाजिक उत्थान एवं सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण एवं विकास, शैक्षणिक उत्कृष्ठता एवं कौशल विकास तथा इन वर्गों का नीति निर्धारण एवं राष्ट्र निर्माण में और अधिक सहभागिता सुनिश्चित करना है। भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के विचारों एवं दर्शन के अनुरूप सामाजिक विज्ञान के नए–नए आयामों तथा नई तकनीकों से समन्वय कर सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन, अन्याय तथा सामाजिक असमानता को दूर कर समता, समानता, समरसता, बन्धुत्व, भाई–चारा एवं एक समान नागरिकता आधारित समता मूलक समाज की स्थापना करना है।

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान तथा इससे जुडे विभिन्न विषयों जैसे भारतीय संविधान और लोकतंत्र, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता, लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण तथा स्थानीय स्वशासन, समता मूलक समाज व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक उत्थान, धार्मिक तथा सामाजिक सद्भाव, मानव सम्मान, परिवार तथा बाल विकास, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण, अनुसंधान, प्रचार–प्रसार तथा प्रशिक्षण के जरिए अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़ा वर्गों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय कमजोर वर्गों, के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए क्षमता निर्माण और उद्यमिता विकास, कल्याणकारी अर्थशास्त्र तथा नीतिगत सुधार, विधि और सामाजिक न्याय, सामाजिक गरिमा और अवसरों की समानता, वैचारिक अभिव्यक्ति, धारणा, प्रार्थना तथा मानवाधिकारों की रक्षा, पर्यावरण और कृषि विकास, पानी और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पारिस्थितिकी सौहार्द्र तथा नदियों एवं उनकी छोटी–बड़ी सहायक नदियों और नालों को जोड़ना, कृषि जोत में सुधार, तकनीकि तथा ग्रामीण शिल्प एवं ग्रामीण औद्योगिकीकरण, राष्ट्र निर्माण के लिए अंतर्राष्ट्रीय समझ तथा विदेश नीति और वैज्ञानिक पहल जैसे क्षेत्रों में कार्यरत है।

विश्वविद्यालय का ध्येय आर्थिक सहभागिता और निर्णय प्रक्रिया में और अधिक भागीदारी द्वारा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के सामाजिक उत्थान, आर्थिक सशक्तिकरण, शैक्षणिक उत्कृष्टता और समता मूलक समाज की स्थापना कर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित करना है। विश्वविद्यालय के उपरोक्त सभी ध्येय एवं उद्देश्यों की पूर्ति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ें वर्गों के रहवास स्थलों के आस–पास तथा प्रथमतः मध्यप्रदेश के सभी 51 जिलों में सामाजिक विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की जानी है।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) समाज के कमजोर वर्गों के सामाजिक उत्थान एवं सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तीकरण एवं विकास, उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास तथा उनकी नीति निर्धारण एवं देश के विकास में और अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिये स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर, एम.फिल. एवं पीएच.डी. जैसी उच्च शिक्षा के साथ–साथ देश दुनियाँ में कमजोर वर्गों के समग्र विकास के लिये किये जा रहे अनुसंधानों को समाज के कमजोर वर्गों तक पहुचायेगा इसके लिये विश्वविद्यालय अधिनियम 2015 की सेक्शन 28 के द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जिले में समाजिक विज्ञान केन्द्रों को स्थापित करने का प्रावधान किया गया है।

ये सामाजिक विज्ञान केन्द्र महिलाओं एवं बच्चों, अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास एवं रोजगार सृजन, अनुसंधान, नये–नये उत्पाद सृजन, विधिक एवं सामाजिक सुरक्षा, अन्धविश्वास, जाति–पाति, ऊँच–नीच एवं छुआछूत जैसी

डॉ. आर. एस. कुरील
कुलपति
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय
डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)
इन्दौर (म.प्र.)

सामाजिक बुराईयों को दूर करने तथा सामाजिक समता, समरसता, बन्धुत्व एवं भाई चारा बढ़ाने के लिए कार्य करेगा। सामाजिक विज्ञान केन्द्र में समाजशास्त्र एवं समाजकार्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि विज्ञान, ग्रामीण विकास, प्रसार एवं प्रशिक्षण, कौशल विकास एवं रोजगार सृजन, विधि एवं सामाजिक न्याय जैसे विषयों के विषय विशेषज्ञों को रखा जायेगा।

सामाजिक विज्ञान के उद्देश्य :

1. स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी., डी.लिट., डी.एस.सी. जैसी गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा तथा शोध अध्ययनों के माध्यम से सामाजिक बुराईयों, कुरीतियों, प्रथाओं, अंधविश्वास, अंधश्रद्धा, अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार, महिला उत्पीडन, घरेलू हिंसा, बंधुआ मजदूरी, बाल शोषण इत्यादि का निर्मुलन
2. समता–समानता, समरसता, बन्धुता, महिला सशक्तिकरण,एक समान नागरिक अधिकारिता वाली समतामूलक समाज की स्थापना के लिए अनुसंधान एवं विज्ञान एवं तकनीकि क्षेत्रों में किये गये नवाचार अनुसंधानों को सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विकसित आयामों को समन्वित करना।
3. अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों के समग्र विकास का प्रचार–प्रसार ।
4. भारत सरकार, राज्य सरकार एवं देश–विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा इन वंचित वर्गों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रमों का कार्यान्वयन।
5. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ें वर्गों के चौमुखी विकास को बढ़ावा देने के लिए कौशल प्रशिक्षण देना हैं।
6. विश्वविद्यालय के उद्देश्यों के अनुरूप संस्थानों, विश्वविद्यालयों, शासकीय कार्यालयों, NGO के साथ समन्वय एवं सहयोग।

सामाजिक विज्ञान के कार्य

- उच्च शिक्षा, अनुसंधान, प्रचार–प्रसार एवं प्रशिक्षण के माध्यम से उभरती विचारधारा और दृष्टिकोणों, उन्नत ज्ञान, बुद्धि और समझ का प्रसार करना और अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास पर केन्द्रित नीतियों और कार्यक्रमों को बनाने एवं उनके प्रभावी कार्यान्वयन के साथ–साथ उनको बनाने एवं लागू करने वाले संबंधित कृत्यकारियों को प्रशिक्षित एवं संवेदनशील बनाना।
- वंचित वर्गों के सामाजिक–आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास को गति देने के लिए, तकनीकी तथा अन्य विषयों जिसमें अभियांत्रिकी, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन अध्ययन, कृषि तकनीकी, ग्रामीण विकास, विधि एवं सामाजिक न्याय, कौशल विकास, प्रचार–प्रसार एवं प्रशिक्षण, उद्यमिता विकास की मूल सीमाओं में सामाजिक विज्ञान तथा समूचित कार्यक्रमों में परास्नातक एवं उच्चतर स्तर पर एकीकृत पाठ्यक्रम आयोजित करना।
- भारतीय संविधान के मूल्यों, प्रतिष्ठा एवं अवसर की समानता, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, आस्था और उपासना की स्वतंत्रता, व्यक्ति की गरिमा एवं राष्ट्र की एकता व अखंडता आश्वस्त करने वाली बंधुता एवं सामाजिक न्याय, नागरिक और मानव अधिकारों की रक्षा तथा भेदभाव एवं सामाजिक बुराईयों का निर्मूलन करना।
- आर्थिक और वित्तीय सशक्तिकरण, क्षमता संवर्धन एवं उद्यमिता विकास, कल्याणकारी अर्थ–व्यवस्था और नीतिगत सुधारों, समतामूलक सामाजिक व्यवस्था, धर्मनिरपेक्षता, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक उत्थान, धार्मिक एवं सामाजिक सद्भाव, मानव गरिमा, परिवार और बाल कल्याण, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा द्वारा सशक्तिकरण के प्रयास करना।

5/7/2016

डॉ. आर. एस. कुरील
कुलपति
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय
डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)
इन्दौर (म.प्र.)

- जल और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा, कृषि व्यवसाय प्रबंधन, भूमि सुधार, कृषि जोत एवं कृषि विकास, कृषि प्रौद्यागिकी एवं ग्रामीण शिल्प, गरीबी उन्मूलन व आय वृध्दि के अवसर प्रदान करना। कमजोर वर्गों के सामाजिक–आर्थिक विकास को तीव्र गति देने वाली अत्याधुनिक तकनीकी एवं अन्य संबंधित संकायों जिसमें कृषि तकनीकी एवं ग्रामीण शिल्प जैसे विषयों के साथ सामाजिक विज्ञान एवं संबंधित विषयों में स्नातकोत्तर तथा उच्च स्तर पर एकीकृत पाठ्यक्रम संचालित करना।
- जाति प्रथा से विभिन्न पहलुओं जैसे कार्योत्पादन निरन्तरता और परिवर्तन के प्रति प्रतिरोध से उत्पन्न होने वाली सामाजिक–आर्थिक और शैक्षणिक असमानता, निर्योग्यता और विभेद के तथ्य का उपयुक्त उपचारी उपायों का पता लगाने हेतु अध्ययन करना। सामाजिक–आर्थिक विकास, गरीबी उन्मूलन और सामाजिक बुराईयों, सामाजिक विषमताओं और अन्याय के उन्मूलन पर केन्द्रित सामाजिक विज्ञान के वैज्ञानिक दृष्टिकोणों के साथ तकनीकी उन्नयन के सम्मिलन द्वारा नवप्रवर्तनात्मक रणनीतियां खोजना।
- शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार, प्रचार–प्रसार एवं प्रशिक्षण गतिविधियों, व्यक्तित्व और कौशल विकास, क्षमता निर्माण और उपचारी पाठ्यक्रमों का प्रबंधन व कार्यान्वयन के माध्यम से अवसर उपलब्ध कराना और ज्ञान की प्रगति, प्रचार–प्रसार एवं अनुसंधान हेतु प्रावधान करना तथा डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण–पत्र, सम्मानिक उपाधियां अथवा अन्य शैक्षणिक मानपत्र प्रदान करना।
- सामाजिक रूप से वंचित समूहों के विकास और सशक्तिकरण हेतु कार्य कर रहे राज्य, केन्द्र सरकार और अन्य संगठनों को परामर्श प्रदान करना।

सामाजिक विज्ञान केन्द्र (SVK) में अनुसंधान, प्रसार व प्रशिक्षण के मुख्य विषय

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों व अन्य पिछड़ा वर्गों का सामाजिक–आर्थिक व शैक्षणिक विकास	
सामाजिक बुराईयों व कुप्रथाओं और अंधविश्वास उन्मूलन,	अत्याचार निवारण,
अस्पृश्यता उन्मूलन	घरेलू हिंसा व उत्पीड़न निवारण,
सफाईकर्मी और उनका पुनर्वास	शोषण पुनर्वास,
बंधुआ व बाल मजदूर और उनका पुनर्वास	खाद्य सुरक्षा के उपाय,
कृषि व ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज,	बच्चों में कुपोषण समाप्ति,
कृषकों की समस्याएं,	विज्ञान व तकनीकी का अनुप्रयोग,
कृषि कौशल विकास	योजनाओं का मूल्यांकन एवं नीतिगत अनुशंसाएं,
ऋणग्रस्तता उन्मूलन	पिछड़ा वर्ग की पहचान व विकास,
गरीबी उन्मूलन	उद्यमशीलता व कौशल विकास

5/7/2016

डॉ. आर. एस. कुरील
कुलपति
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय
डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)
इन्दौर (म.प्र.)

समाज विज्ञान केन्द्र के विषय–वस्तु एवं क्षेत्र

सामाजिक विज्ञान केन्द्र के माध्यम से निम्नलिखित कार्यो को कार्यान्वित किया जायेगा।

1. सामाजिक–आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास कार्य
2. सामाजिक बुराईयाँ एवं अन्धविश्वास निर्मूलन
3. महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास
4. उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान
5. विधि एवं सामाजिक न्याय विकास
6. उद्यान तथा लघुवनोपज विकास
7. मत्स्य उद्यमिता, पशु उत्पादन तथा पशुजन्य उत्पाद विकास
8. कृषि उपज तथा मूल्य संवर्धन
9. ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज
10. उद्यमिता तथा कौशल विकास

समाज विज्ञान केन्द्र के शोध, प्रसार व प्रशिक्षण प्राथमिकताएं एवं विषय विशेषज्ञ

➢ सामाजिक बुराई तथा अत्याचार निवारण ➢ महिला सशक्तिकरण तथा बाल विकास ➢ उद्यमिता तथा कौशल विकास ➢ आर्थिक विकास अनुसंधान ➢ नीति तथा योजना अनुसंधान ➢ सामाजिक न्याय तथा सामाजिक उत्थान ➢ सामाजिक–आर्थिक और शैक्षणिक विकास कार्य ➢ ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज ➢ समसामायिक मुद्दे और विषय ➢ किसान कल्याण अनुसंधान ➢ सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक प्रजातंत्र	❖ विषय विशेषज्ञ समाज विज्ञान ❖ विषय विशेषज्ञ महिला तथा बाल सशक्तिकरण ❖ विषय विशेषज्ञ उद्यमिता तथा कौशल विकास ❖ विषय विशेषज्ञ आर्थिक विकास ❖ विषय विशेषज्ञ समावेशी विकास तथा नियोजन ❖ विषय विशेषज्ञ विधि तथा सामाजिक न्याय ❖ विषय विशेषज्ञ दूरस्थ शिक्षा केन्द्र ❖ विषय विशेषज्ञ ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज ❖ विषय विशेषज्ञ सक्षमता संवर्धन तथा नेतृत्व विकास ❖ विषय विशेषज्ञ कृषि एवं भूमि विकास ❖ विषय विशेषज्ञ डॉ. अम्बेडकर विचार एवं दर्शन

डॉ. आर. एस. कुरील
कुलपति
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय
डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)
इन्दौर (म.प्र.)